BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

सशक्त नारी, सशक्त भारत

14 अगस्त, 2026

भारत की वकास यात्रा में महिलाओं की अहम भू मका

महिलाएं अब भारत की वकास यात्रा में महज़ लाभार्थी के तौर पर नहीं, बल्कि वकास को आगे बढ़ाने में स क्रय भागीदार बन गई हैं। जीवन के अलग-अलग चरणों में कए जा रहे प्रयासों में अब बच्चियों, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल वकास, उद्य मता और नेतृत्व को शा मल कया गया है। स्वयं सहायता समूहों, उद्य मता और डिजिटल समावेश के ज़रिए वत्तीय समावेश और नेतृत्व के अवसर बढ़े हैं। साफ-सफाई, आवास, स्वच्छ ईंधन और नल के पानी की बेहतर सु वधा ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को बढ़ाया है। शासन-व्यवस्था में बढ़ती भागीदारी भी देश के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भू मका को दर्शाती है।

शुरुआत की सुरक्षा, भ वष्य का संवर्धन

स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण सहायता और संस्थागत प्रसव प्रणा लयों के ज़रिए मातृ और प्रारं भक बाल देखभाल को मज़बूत कया गया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी)

- बीबीबीपी बच्चों के लंगानुपात (सीएसआर) में गरावट और महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों को जीवन-चक्र के दौरान संबो धत करता है।

- यह संस्थागत प्रसव, लड़ कयों के सेकेंडरी स्कूल में नामांकन, स्कूल छोड़ने की दर में कमी और प्रसव-पूर्व देखभाल के लए रजिस्ट्रेशन पर ध्यान केंद्रित करता है।

- एनएफएचएस**-5 (2019-21)** की रिपोर्ट के अनुसार, लंगानुपात प्रति **1,000** पुरुषों पर **1,020** महिलाएं थी, जब क 2011 की जनगणना में यह प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएं थी।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)

• यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सीधे लाभ हस्तांतरण देने वाली मातृत्व लाभ योजना है।

• महिलाओं को पहले जीवत बच्चे के लए दो कस्तों में ₹5,000 मलते हैं, दूसरे बच्चे के लए ₹6,000 मलते हैं, यदि वह लड़की हो।

• पहुंच: 5.13 करोड़ लाभा र्थयों का नामांकन, 4.37 करोड़ लाभा र्थयों को भुगतान, कुल ₹20,571 करोड़ का भुगतान (31 जुलाई 2026 तक) ।

प्रधानमंत्री सुर क्षत मातृत्व अ भयान (पीएमएसएमए)

• यह उच्च जो खम वाली गर्भावस्था के लए हर महीने की 9 तारीख को सरकारी सु वधाओं में मुफ्त प्रसव-पूर्व जांच प्रदान करता है।

• पहुंच: 7.50 करोड़ से अ धक गर्भवती महिलाओं की जांच, 8,812 स्वयंसेवकों का पंजीकरण, 13 अगस्त 2026 तक देश भर में 22,000 से अ धक केंद्रों पर पीएमएसएमए की सु वधा उपलब्ध।

• 6.85 करोड़ से अ धक प्रसव-पूर्व जांच की गईं, फोकस्ड डजिटल ट्रै कंग के लए 1.03 करोड़ उच्च जो खम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान की गई।

जननी शशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके)

• जेएसएसके के तहत हर गर्भवती महिला को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ़्त डलीवरी (सीज़ेरियन सेक्शन सहित) की सु वधा मलती है। साथ ही, मुफ्त ट्रांसपोर्ट, जांच, दवाएं, खून और खाने-पीने की सु वधा भी दी जाती है।

• वत्त वर्ष 2024-25: 1.99 करोड़ से ज़्यादा गर्भवती महिलाओं और 16.85 लाख से ज़्यादा बीमार शशुओं को इस योजना का लाभ मला।

• 2014-15 से अब तक, 18.05 करोड़ से ज़्यादा लोगों को इस योजना के तहत मदद मली है।

नतीजे

• गर्भावस्था के शुरुआती तीन महीनों (पहली तिमाही) में प्रसव-पूर्व जांच के लए जाने वाली महिलाओं की संख्या एनएफएचएस-4 (2015-16) के 58.6% से बढ़कर एनएफएचएस-6 (2023-24) में 76.2% हो गई।

• चार या उससे ज़्यादा बार प्रसव-पूर्व देखभाल के लिए जाने वाली महिलाओं की संख्या एनएफएचएस-4 (2015-16) के 51.2% से बढ़कर एनएफएचएस-6 (2023-24) में 65.2% हो गई।

• राष्ट्रीय स्तर पर, अस्पताल में होने वाले जन्म एनएफएचएस -4 (2015-16) के 78.9% से बढ़कर एनएफएचएस -6 (2023-24) में 90.6% हो गए।

शिक्षा, कौशल और आगे बढ़ने की चाहत

एनईपी 2020 के तहत लड़कियों की शिक्षा अब सिर्फ स्कूल तक पहुँचने से आगे बढ़कर, लगातार पढ़ाई जारी रखने, तरक्की करने और मापने लायक नतीजे हासिल करने की दिशा में बढ़ गई है।

• जेंडर इन्क्लूजन फंड: यह पूरी स्कूल व्यवस्था में ज़रूरतमंद लड़कियों को खास मदद देता है।

• सुलभ उपाय: इससे स्कूल छोड़ने वालों की संख्या कम होती है और स्कूल व कॉलेज में पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलती है।

• मल्टी-डिसिप्लिनरी विकल्प: इससे लड़कियाँ एक ही फ्रेमवर्क के तहत अलग-अलग तरह की पढ़ाई कर सकती हैं।

समग्र शिक्षा और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी)

• भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था (2025-26): पूरे देश में 14.67 लाख स्कूल, 1.02 करोड़ शिक्षक और 24.72 करोड़ छात्र हैं।

• स्कूल में लड़कियों का नामांकन: 2025-26 में 11.96 करोड़ लड़कियों का नामांकन हुआ।

• केजीबीवी: नामांकन 6.07 लाख (2020–21) से बढ़कर 7.58 लाख (2025–26) हो गया।

छात्रवृत्ति और आर्थिक मदद

• केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति: आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों की होनहार लड़कियों के लिए लगभग 50% छात्रवृत्ति आरक्षित हैं।

• राष्ट्रीय पीजी छात्रवृत्ति चुने हुए छात्रों को हर साल ₹1.5 लाख देती है, जिसमें हर साल 3,000 महिलाएं भी शामिल हैं।

• एआईसीटीई प्रगति छात्रवृत्ति: 2014-15 से हर साल 10,000 छात्रवृत्ति दी जा रही हैं, 2024-25 तक लगभग 36,000 लड़कियों को इसका लाभ मिला है।

• नतीजे: उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन 2021-22 में 2.07 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 2.18 करोड़ हो गया है। 2014-15 में 1.57 करोड़ (38.4%) के मुक़ाबले महिलाओं के नामांकन में लगभग 60.32 लाख की बढ़ोतरी हुई है।

स्टेम और उच्च शिक्षा में महिलाएं

• दिसंबर **2019** से**,** वज्ञान ज्योति योजना: 300 ज़िलों में 1.12 लाख से ज़्यादा लड़कियों (कक्षा IX-XII) को लाभ पहुँचा चुकी है (मार्च 2026 तक) ।

• आईआईटी/एनआईटी में अतिरिक्त सीटों ने महिलाओं की भागीदारी को 10% से कम से बढ़ाकर 20% से ज़्यादा कर दिया है।

• 2024-25 में स्टेम वषयों में यूजीसी नेट-जेआरएफ स्कॉलर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी 53% से ज़्यादा थी।

कौशल और डिजिटल समावेश

प्रधानमंत्री कौशल वकास योजना (पीएमकेवीवाई**)**

पीएमकेवीवाई लघु-अवधि, उद्योगों की ज़रूरतों के अनुसार प्रशिक्षण देता है, लगभग **45%** लाभार्थी महिलाएं हैं।

• पीएमकेवीवाई 1.0: 19.85 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दिया गया।

• पीएमकेवीवाई 2.0: 1.10 करोड़ उम्मीदवारों को ट्रेनिंग/ओरिएंटेशन दिया गया।

• पीएमकेवीवाई 3.0: 7.37 लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया गया।

• पीएमकेवीवाई 4.0: 28 लाख से ज़्यादा उम्मीदवारों को ट्रेनिंग दी गई, जिनमें से 19.36 लाख से ज़्यादा सर्टिफाइड हुए।

युवा किशोरियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आकांक्षाओं का पोषण **(**नव्या)

• नव्या **(2025):** 16-18 साल की लड़कियों को डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी और एआई सक्षम सेवाओं में प्रशिक्षण देता है, यह 27 आकांक्षी और पूर्वोत्तर ज़िलों और 19 राज्यों में चलाया जा रहा है।

• जून **2026** तक: शुरुआत से अब तक 1,060 लड़कियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

सम्मान के साथ स्वास्थ्य**,** पोषण और कल्याण

आयुष्मान भारत

• आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई)**:** नकद रहित सेकेंडरी और ट शयरी देखभाल देती है, 12 अगस्त 2026 तक 45.5 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जिनमें से 22.48 करोड़ कार्ड महिलाओं को जारी कए गए और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज़ों में 5.25 करोड़ से ज़्यादा महिलाएं थीं।

• आयुष्मान आरोग्य मंदिर: 12 अगस्त 2026 तक **1.86** लाख से ज़्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यरत हैं, जो महिलाओं के लए मातृत्व और निवारक स्वास्थ्य सु वधाएँ देते हैं।

• आयुष्मान भारत डजिटल मशन (एबीडीएम)**:** 12 अगस्त 2026 तक **110** करोड़ से ज़्यादा हेल्थ रिकॉर्ड्स को डजिटल रूप से जोड़ा गया है, 12 अगस्त 2026 तक आभा खातों में महिलाओं की हिस्सेदारी **49.72%** है।

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण **2.0**

मशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 का मकसद कुपोषण से निपटना और बचपन के शुरुआती वकास को बेहतर बनाना है। यह पोषण और आंगनवाड़ी से जुड़ी कई पहलों को एक ही एकीकृत फ्रेमवर्क के तहत लाता है।

• 31 जुलाई 2026 तक, **8.94** करोड़ से ज़्यादा लाभा थयों को सेवाएँ दी जा रही हैं, जिनमें **64.46** लाख से ज़्यादा गर्भवती महिलाएँ**, 45.44** लाख से ज़्यादा स्तनपान कराने वाली माताएँ और **15.68** लाख कशोर लड़ कयाँ शा मल हैं।

• पछले पाँच सालों में **1.29** लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवा ड़यों में अपग्रेड कया गया है।

• **31** जुलाई **2026** तक लगभग **13.31** लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता काम कर रही थीं।

मशन इंद्रधनुष

• 18 मार्च 2026 तक, यू- वन पोर्टल पर **11.87** करोड़ बच्चों और **3.96** करोड़ गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कया गया था, यह पोर्टल इन लाभा थयों के लए टीकाकरण सेवाओं का डजिटल रिकॉर्ड रखता है और उन्हें ट्रैक करता है।

• **5.46** करोड़ बच्चों और **1.32** करोड़ गर्भवती महिलाओं को ऐसी बीमारियों से बचाने के लए टीका लगाया गया, जिनसे बचाव संभव है।

• 17 फरवरी 2026 तक, **8.73** करोड़ महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर की जाँच की गई।

• 28 फरवरी 2026 को सभी 36 राज्यों और केंद्र शा सत प्रदेशों में 14 साल की उम्र की लगभग **1.2** करोड़ पात्र लड़ कयों के लए देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण अ भयान शुरू कया गया।

• 15 जुलाई 2026 तक, देश भर में कुल **52,10,302** लड़ कयों को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है।

वत्तीय समावेशन और आ र्थक सशक्तिकरण

सुकन्या समृद् ध योजना

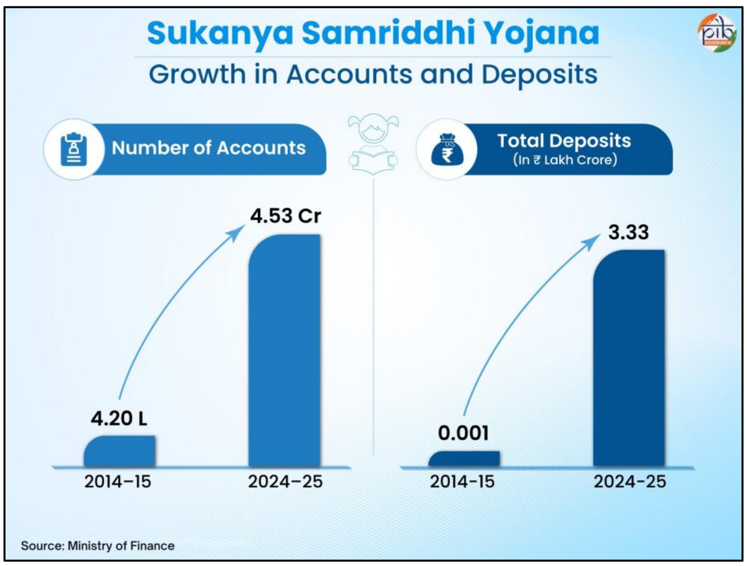

• इसमें ₹250 से जमा रा श शुरू होती है और सेक्शन 80सी के तहत 8.2% सालाना टैक्स-फ्री ब्याज मलता है।

• उच्च शक्षा और शादी के लए आं शक निकासी की सु वधा है, जिससे परिवार की व्यवस्थित बचत को बढ़ावा मलता है।

• शुरुआत से लेकर अब तक, कुल जमा रा श ₹3.33 लाख करोड़ से ज़्यादा हो गई है (दिसंबर 2025 तक)।

डीएवाई-एनआरएलएम- स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) व्यवस्था

• एसएचजी को एक देशव्यापी प्लेटफॉर्म के तौर पर बढ़ाया गया है, जिसमें 1.51 करोड़ सामुदायिक कैडर सदस्यों के साथ 7,627 ब्लॉक शा मल हैं।

• शुरुआत से लेकर 6 फरवरी 2026 तक, 50,548 से ज़्यादा प्र श क्षत बैंक स खयों के ज़रिए एसएचजी ने ₹12.18 लाख करोड़ से ज़्यादा का बैंक क्रे डट हा सल कया है।

• 30 जून 2026 तक, स्टार्ट-अप वलेज एंटरप्रेन्योर शप प्रोग्राम (एसवीईपी) के तहत **4.32** लाख उद्यमों को सहायता दी गई।

लखपति दीदी योजना

• यह स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को कम से कम ₹1 लाख की सालाना आय हा सल करने में मदद करती है।

• दायरा: 31 मार्च 2026 तक, 34 राज्यों/केंद्र शा सत प्रदेशों, 757 जिलों, **94.31** लाख एसएचजी और **10.14** करोड़ एसएचजी सदस्यों तक पहुँच।

• इसे 6,611 मास्टर ट्रेनर्स, 4.09 लाख कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स (सीआरपी) और 3.87 करोड़ संभा वत लखपति दीदियों (पीएलडी) के मज़बूत नेटवर्क के ज़रिए लागू कया जाता है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना

• 12 अगस्त 2026 तक कुल 58.90 करोड़ जन-धन खाते खोले गए हैं।

• 1 जुलाई 2026 तक, **32.68** करोड़ जन-धन खाते महिलाओं के नाम पर हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)

• 8 अप्रैल 2026 तक कुल मलाकर 57.79 करोड़ से ज़्यादा लोन मंज़ूर कए गए हैं, जिनकी कुल रा श ₹40.07 लाख करोड़ है।

• मंज़ूर कए गए ऋण में से दो-तिहाई लोन महिला उद्य मयों को दिए गए हैं।

पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर नि ध (स्वनि ध)

• पहुँच: 13 अगस्त 2026 तक इस योजना से 7,824,611 वक्रेताओं को फ़ायदा हुआ है, इनमें से **46%** लाभार्थी महिलाएँ हैं।

नमो ड्रोन दीदी योजना

• इसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को खेतों में खाद और कीटनाशक छिड़कने के लए ड्रोन चलाने का प्र शक्षण दिया जाता है।

• इसे ₹1,261 करोड़ के बजट (2023-24 से 2025-26) के साथ मंज़ूरी दी गई है और इसका लक्ष्य महिला एसएचजी को 15,000 ड्रोन उपलब्ध कराना है।

• शुरुआत से अब तक, महिला एसएचजी को 1,094 ड्रोन बांटे गए हैं, जिनमें से 500 से ज़्यादा नमो ड्रोन दीदी पहल के तहत दिए गए हैं, जिससे खेती की उत्पादकता और आजी वका बेहतर हुई है।

वूमनिया (जीईएम)

• महिलाओं के नेतृत्व वाले 2.1 लाख से ज़्यादा उद्यम पंजीकृत हैं, वत्त वर्ष 2025-26 में 13.7 लाख ऑर्डर मले।

• महिला एमएसएमई को ₹28,000 करोड़ से ज़्यादा का कॉन्ट्रैक्ट मला, जो वत्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 27.60% ज़्यादा है, जेईएम के कुल ऑर्डर मूल्य का 5.6% हिस्सा इन्हें मला।

सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर मार्ट (शी-मार्ट)

• केंद्रीय बजट 2026-27 में घो षत, जिसका मकसद **1** करोड़ महिलाओं को लाभ पहुंचाना है।

• यह उन्हें टिकाऊ उद्यमों का मा लक बनने और उन्हें चलाने में मदद कर रहा है।

संरक्षा, सुरक्षा, सम्मान और जीवन स्तर

मशन शक्ति

• महिलाओं की सुरक्षा और सहायता के लए संबल (सुरक्षा) और सामर्थ्य (सशक्तिकरण) वर्टिकल को मलाता है।

• देश भर में 15.2 लाख वन स्टॉप सेंटर और 642 नारी अदालतें काम कर रही हैं।

• महिला हेल्पलाइन (181) ने 31 जुलाई, 2026 तक 1.05 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं को 24x7 सहायता प्रदान की है और इसे इमरजेंसी रिस्पॉन्स (112) से जोड़ा गया है।

• शी-बॉक्स पोर्टल कार्यस्थल पर उत्पीड़न की ऑनलाइन रिपोर्टिंग की सु वधा देता है, ता क शकायतों का तेज़ी से समाधान हो सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई)

• पीएमएवाई-शहरी (2015) और पीएमएवाई-ग्रामीण (2016) के तहत बुनियादी सु वधाओं वाले पक्के घर दिए जाते हैं।

• पीएमएवाई -ग्रामीण: 13 अगस्त 2026 तक, 96.06 लाख से ज़्यादा (यानी कुल घरों का 24.73%) घर सर्फ़ महिलाओं को आवंटित कए गए।

• पीएमएवाई -यू **2.0:** 9 अगस्त 2026 तक, 1.25 करोड़ घरों को मंज़ूरी दी गई और **1** करोड़ घर महिलाओं को आवंटित कए गए।

भागीदारी, प्रतिनि धत्व और फैसले लेना

• 8 फरवरी 2026 तक, अंतिम मतदाता सूची में शा मल 96.88 करोड़ लोगों में से 47.15 करोड़ से ज़्यादा महिलाएँ थीं।

• 19 मार्च 2025 तक, 14.5 लाख महिलाएँ निर्वा चत पंचायती राज प्रतिनि ध के तौर पर काम कर रही थीं, जो कुल प्रतिनि धयों का लगभग 46% है।

• नारी शक्ति वंदन अ धनियम**, 2023 (106**वाँ सं वधान संशोधन अ धनियम) लोकसभा, राज्य वधानसभाओं और दिल्ली वधानसभा में महिलाओं के लए 33% आरक्षण का प्रावधान करता है, यह आरक्षण जनगणना के बाद होने वाली परिसीमन प्र क्रया के बाद लागू होगा।

• 2025 में, नेशनल डफेंस एकेडमी से **17** महिला कैडेटों का पहला बैच पास आउट हुआ।

• 2026 की शुरुआत तक, 2022 से लेकर अब तक कुल **158** महिला कैडेट एनडीए में शा मल हो चुकी थीं।

वक सत भारत की नींव के तौर पर नारी शक्ति

सरकार के फोकस ने कल्याणकारी योजनाओं को महिलाओं के नेतृत्व, सम्मान और अवसरों के मंच में बदल दिया है। 2047 तक वक सत भारत के लक्ष्य में महिलाएं कामगार, उद्यमी, कसान और लीडर के तौर पर अहम भू मका निभा रही हैं। शक्षा, आय और फैसले लेने की प्र क्रया में उनकी भागीदारी का असर अब परिवारों और समुदायों तक भी पहुंच रहा है। उद्य मता से लेकर ज़मीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तक, नारी शक्ति मज़बूती और स्पष्ट मकसद के साथ आगे बढ़ रही है।

संदर्भ

महिला एवं बाल वकास मंत्रालय

MissionShaktiGuidelines.pdf

https://pmmvy.wcd.gov.in/

https://www.poshantracker.in/statistics

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294872&reg=48&lang=1

शक्षा मंत्रालय

https://udiseplus.gov.in/#/en/home

file:///C:/Users/dell/Downloads/UDISE+2025_26_Booklet_nep.pdf (Page 81)

https://newsonair.gov.in/govt-says-over-7-lakh-girls-are-currently-enrolled-in-kasturba-gandhi-balika-vidyalaya/

कौशल वकास और उद्य मता मंत्रालय

https://www.skillindiadigital.gov.in/pmkvy-dashboard

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2297193&reg=48&lang=1

प्रधानमंत्री कार्यालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2227542&reg=6&lang=1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

file:///C:/Users/dell/Downloads/NFHS-5_NRReport_val1__NFHS-5_INDIA_REPORT.pdf

https://sansad.in/getFile/annex/270/AU1218_UuTmW5.pdf?source=pqars

https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2118786&reg=48&lang=2

AU1136_kCnH0M.pdf

https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/assets/National%20Family%20Health%20Survey%20(NFHS-6)%202023-2024%20Fact%20Sheets.pdf (Page 4)

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2244518&reg=3&lang=1

Press Release Page | Press Information Bureau

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2025/jan/doc202513480101.pdf

PMJAY - Dashboard

ABDM-Insights

Press Release Page | Press Information Bureau

वत्त मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2287200&lang=1&reg=3&utm

https://newsonair.gov.in/over-4-crore-53-lakh-bank-accounts-opened-under-sukanya-samriddhi-yojana-says-govt/

https://www.nsiindia.gov.in/(S(bivxnengkkhfls3i1nysmlzq))/internalpage.aspx?Id_Pk=290

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2249915&reg=3&lang=1

रक्षा मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2132691&reg=48&lang=2

गृह मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?lang=2&reg=3&relid=95372&utm

वज्ञान और प्रोद्यौ गकी मंत्रालय

Press Release: Press Information Bureau

ग्रामीण वकास मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2224571&reg=3&lang=1

https://lakhpatididi.gov.in/insight-hub/

https://she-mart.in/

https://pmayg.gov.in/netiay/PBIDashboard/PMAYGDashboard.aspx

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2297771&reg=48&lang=2

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

PM SVANidhi

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2296797&reg=48&lang=1

कैबिनेट

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2237548&reg=48&lang=2

निर्वाचन आयोग

Press Release Page | Press Information Bureau

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2088064&reg=48&lang=2

पीआईबी बैकग्राउंडर

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/jun/doc202663882201.pdf

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2267960&lang=1&reg=3&utm

Press Release Page | Press Information Bureau

Press Note Details: Press Information Bureau

https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154880&ModuleId=3&reg=48&lang=2

Press Release Page | Press Information Bureau

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2250664&reg=3&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2267102&lang=2&reg=48&utm

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/aug/doc2026813953401.pdf

https://www.pib.gov.in/FactsheetDetails.aspx?id=150688&NoteId=150688&ModuleId=16&reg=48&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2289268&reg=3&lang=1

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/aug/doc2026812952101.pdf

पीआईबी शोध

पीके/केसी/एनएस